



राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना
अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन – 2026
प्रश्न-पत्र

कक्षा – VII

समय - 2 घंटे

विषय – हिन्दी

पूर्णांक - 50

निर्देश

- इस प्रश्न-पत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है।
- प्रत्येक प्रश्न के सामने उसके लिए निर्धारित अंक एवं निर्देश अंकित है।

1. कोष्ठक में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (5 × 1 = 5)

- (क) 'कठपुतली' शीर्षक कविता के कवि हैं।
(भवानी प्रसाद मिश्र / शिव मंगल सिंह 'सुमन')
- (ख) 'पापा खो गए' शीर्षक पाठ एक है।
(कहानी / नाटक)
- (ग) नागार्जुन ने हिमालय को कहा है।
(ससुर / दामाद)
- (घ) राय विजयबहादुर के बच्चे थे।
(दो / तीन)
- (ङ) चित्रांगद और विचित्रवीर्य की माता थी।
(गंगा / सत्यवती)

2. दिए गए कथनों में से सही के लिए (✓) तथा गलत के लिए (×) का चिह्न लगाइए। (5 × 1 = 5)

- (क) 'शाम—एक किसान' शीर्षक कविता के कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना हैं।
- (ख) 'तोत्तो—चान' भारतीय साहित्य की एक अमूल्य निधि है।
- (ग) वेद व्यास, महर्षि पराशर के पुत्र थे।
- (घ) मिठाईवाले के छोटे—छोटे तीन बच्चे थे।
- (ङ) हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद नहीं रहना चाहते।

☒
☒
☒
☒
☒

3. स्तंभ 'अ' का उपयुक्त मिलान स्तंभ 'ब' से कीजिए।

(5x1 = 5)

स्तंभ 'अ'	स्तंभ 'ब'
(क) अमृत का पर्यायवाची शब्द	i) घोंसला
(ख) अंधकार का विलोम शब्द	ii) एक ही सहारा
(ग) जिसके चार पद हैं	iii) पीयूष
(घ) नीड़ का अर्थ है	iv) प्रकाश
(ङ) 'अंधे की लकड़ी' मुहावरा का अर्थ है	v) चतुष्पद

4. अति लघु उत्तरीय प्रश्न।

(5x3 = 15)

- (क) सिंधु और ब्रह्मपुत्र की क्या विशेषताएँ बताई गई हैं ?
 (ख) कठपुतली को गुस्सा क्यों आया ?
 (ग) मिठाईवाला अलग-अलग चीजें क्यों बेचता था ?
 (घ) लाल तारु किस प्रकार बाकी पात्रों से भिन्न है ?
 (ङ) केवटराज ने शांतनु के सामने क्या शर्त रखी ?

5. लघु उत्तरीय प्रश्न।

(2x5 = 10)

- (क) पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी कौन-कौन-सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं ?

अथवा

काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता क्यों कहा है ?

- (ख) पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को क्यों अच्छी लगी ?

अथवा

खिलौनेवाले के आने पर बच्चों की क्या प्रतिक्रिया होती थी ?

6. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न।

(1x10 = 10)

'शाम-एक किसान' शीर्षक कविता का अर्थ लिखिए।

अथवा

नदियों को माँ मानने की परंपरा हमारे यहाँ काफी पुरानी है। लेकिन लेखक नागार्जुन उन्हें और किन रूपों में देखते हैं ?